Title: Increasing number of Kanwaria pilgrims at various religious places in the country.

श्री शैलेन्द्र कुमार (चायल) : उपाध्यक्ष जी, पूरे देश में सावन के महीने में हरिद्वार से कांवड़ भरकर शिवभक्त कांवड़िये नीलकंठ, गढ़मुक्तेश्वर, गाजियाबाद के दुधेश्वरनाथ मंदिर तथा विभिन्न मंदिरों में जल चढ़ाने जाते हैं। आपने उनकी समस्याओं को यहां पर रखने के लिए, मुझे बोलने का समय दिया, इसके लिए धन्यवाद। उनमें पांच वर्ष से लेकर 60 वर्ष तक के तमाम श्रद्धालू हैं जिनकी अपनी समस्याएं हैं और जो हरिद्वार से जल लेकर देश के विभिन्न मंदिरों में चढ़ाने और पूजा अर्चना करने का काम कर रहे हैं। हरिद्वार से कांवड़ लाने वाला एक बालक लापता है। गाजियाबाद में सावन-शिवरात्रि मेले के अवसर पर कांवड़ियों की सुरक्षा और उनके लिए सुरक्षित मार्ग की व्यवस्था राज्य सरकार या केन्द्र सरकार के द्वारा होनी चाहिए। यातायात के विषय में आपने अखबारों में भी देखा होगा कि कांवड़िये नेशनल हाई-वे तथा तमाम दूसरे मार्गों पर भी चल रहे हैं। उनकी लिए यातायात की सुविधा होनी चाहिए, जिससे उनका एक्सीडेंट न हो। मार्ग दुर्घटना में भी कई कांवड़िये मारे गये हैं, उनके खाने-पीने और रहने की व्यवस्था राज्य सरकार या केन्द्र सरकार करे। दूसरी तरफ ऐसे रास्ते हैं जहां स्ट्रीट लाइट्स नहीं हैं, उन रास्तों पर स्ट्रीट लाइट्स की व्यवस्था कराई जाए और जहां सड़कें टूटी-फूटी हैं उनकी मरम्मत कराई जाए।

देश में ऐसे श्रद्धा के स्थान हैं चाहे शिरडी हो, नासिक हो, वाराणसी हो या उज्जैन में मांडेश्वर मंदिर हो या उत्तर प्रदेश में बाराबंकी हो, वहां तमाम श्रद्धालू पैदल जा रहे हैं। वहां राज्य सरकार या केन्द्र सरकार को उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करनी चाहिए। आपने मुझे बोलने का मौका दिया, इसके लिए धन्यवाद।